ओढ़ के चुनरिया लाल

ओढ़ के चुनरिया लाल,
मैं नाचूँ तेरे अँगना मे ,
*मैं नाचूँ तेरे अँगना मे,
दर पे आऊँ हर साल,
मैं नाचूँ तेरे अँगना मे ,
ओढ़ के चुनरिया,,,,,,,,,

पाँव में अपने, बांध के घुँघरू ,
आठों पहर तेरे, नाम को सिमरू,
और बजाऊँ खड़ताल,,, जय हो,
मैं नाचूँ तेरे अँगना मे,
ओढ़ के चुनरिया,,,,,,,,,,,,,

चरणों में तेरे, सीस झुकाऊँ ,
जी भरके तेरे, दर्शन पाऊँ ,
मेरे भी, संकट टाल,,, जय हो,,,
मैं नाचूँ तेरे अँगना मे,
ओढ़ के चुनरिया,,,,,,,,,,,,,

बिन तेरे मोहे, कुछ भी न भाए ,
व्याकुल मन मेरा, चैन न पाए ,
आऊँ मैं, तेरे दरबार,,, जय हो,,
मैं नाचूँ तेरे अँगना मे,
ओढ़ के चुनरिया,,,,,,,,,,,,

ज्योति कल्छ के, दीपक जा के,
प्रेम सुधा, बरसा दे आ के ,
मेरे भी, जगा दे भाग,,, जय हो,,
मैं नाचूँ तेरे अँगना मे,
ओढ़ के चुनरिया,,,,,,,,,,,,,

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/18816/title/odh-ke-chunariyan-laal

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |